**प्रतिवादी द्वारा संविदा भंग को प्रतिरोधित करने वाले प्रतिषेधात्मक व्यादेश के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादर पूर्वक निम्नलिखित निवेदन करता है –

1. यह कि वादी ने क्षेत्रफल में ....................... वर्गगज की ................सड़क पर स्थिति, जिसकी सीमाएं नीचे दी जाती है, अपने भूखण्ड को ..................... रुपये वार्षिक किराये पर नगर में या स्टेशन के बाहर विक्रय एवम् आपूर्ति के लिए इमारती लकड़ी के संचयन के लिए तारीख ........................ को निष्पादित किये गये एक रजिस्ट्रीकृत विक्रयविलेख के जरिये ....................... वर्षों के लिए प्रतिवादी को पट्टा कर दिया।

भूखण्ड की सीमाएं निम्नलिखित रूप में है –

पूरब में .....................

पश्चिम में .....................

उत्तर में .....................

दक्षिण में .....................

1. यह कि उपर्युक्त विलेख में, यह अभिव्यक्त रूप से करार किया गया कि प्रतिवादी काई स्थान निर्माण नहीं करेगा या उठायेगा। उसको लकड़ी के मात्र अस्थायी निर्माण करने की अनुज्ञा प्रदान की गयी थी। लेकिन इस प्रकार करार भंग में, प्रतिवादी ने भूखण्ड के ऊपर पक्का निर्माण करना प्रारम्भ कर दिया और और एक पक्का कमरा उठाया है, जिसको अभी भी छत नही डाली गयी है। जिसका मापमान एवम ब्यौरा स्थल योजाना के साथ वाद पत्र के वाद पर दिया जाता है।
2. यह कि वादी ने वैसा नहीं करने से प्रतिवादी को रोका लेकिन वह वादी को सूचना देने पर नहीं देता है और उपर्यक्त निर्माण को भूखण्ड पर पक्का निर्माण करना प्रारम्भ किया।
3. यह कि प्रतिवादी ने .........20......... को वादी को सम्पूर्ण प्लाट पर निर्माण करने की धमकी दिया।
4. यह कि वाद हेतुक .........20......... को उत्पन्न हुआ जब वादी भूमि पक्का निर्माण प्रारम्भ किया तथा द्वितीयतः .........20......... को अग्रिम निर्माण करने हेतु धमकाया और इस न्यायालय को मामले की विनिश्चिय करने की अधिकारिता है।
5. यह कि क्षेत्राधिकार के उददेश्य के लिये प्लाट का मूल्य ............................रुपये पर मल्यांकित वाद है तथा न्याय शुल्क के भुगतान के उददेश्य के लिये ............................रुपये है तथा न्याय शुल्क दावे के अनुतोषों के अनुसार अदा किया है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी दावा करता है

1. ऊपर वर्णित भूखण्ड पर उसके द्वारा पहले से ही किये गये पक्का निर्माण को गिराने तथा हटाने के लिए प्रतिवादी को जारी किया जाने वाला एक आज्ञापक व्यादेश, और
2. भूमि के कथित खण्ड पर भविष्य में कोई पक्का या स्थायी निर्माण करने से प्रतिवादी को अवरुद्ध करने वाला एक प्रतिषेधात्मक व्यादेश जारी करने के लिए।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी